आईसीएआर-एनआईएनएफटी, कोलकाता में "बायोप्लास्टिक्स: इसकी विकासात्मक रणनीतियाँ और सतत पैकेजिंग सामग्री के लिए टिकाऊ बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर विकसित करने में प्राकृतिक फाइबर की भूमिका" पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया

22 नवंबर**, 2022,** कोलकाता:

आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी**,** कोलकाता में **22** नवंबर**, 2022** को हाइब्रिड मोड के माध्यम से "बायोप्लास्टिक्स: इसकी विकासात्मक रणनीतियाँ और सतत पैकेजिंग सामग्री के लिए टिकाऊ बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर विकसित करने में प्राकृतिक फाइबर की भूमिका" पर विचार-मंथन कार्यशाला। डॉ. डी. बी. शाक्यवार**,** निदेशक ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और प्लास्टिक की खपत को खत्म करने के लिए कार्यशाला की आवश्यकता व्यक्त की और जैव-प्लास्टिक पर ध्यान देने के साथ "हमारे पर्यावरण को बचाने के लिए प्लास्टिक सामग्री के प्रतिस्थापन के लिए प्राकृतिक फाइबर की भूमिका" भी प्रस्तुत की। डॉ. के. नरसैय्या**,** एडीजी (पीई)**,** आईसीएआर और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने जैव-प्लास्टिक के महत्व पर प्रकाश डाला और चावल/ गेहूं के भूसे और माइक्रोबियल मध्यस्थता संश्लेषण से कम लागत वाली पैकेजिंग के विकास के लिए बायोमास से जैव-प्लास्टिक की एक सहयोगी परियोजना शुरू करने पर जोर दिया। । उन्होंने जैव-प्लास्टिक आधारित पैकेजिंग सामग्री के कार्यात्मक गुणों में सुधार के लिए प्लास्टिक के पुनर्चक्रण और गिरावट और उपयुक्त नैनो-कणों को जोड़ने के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास कार्यों को निष्पादित करने के लिए जोर दिया है। इससे पहले प्रो. विमल कटियार**,** केमिकल इंजीनियरिंग विभाग**,** आईआईटी गुवाहाटी और प्रो. डी. चक्रवर्ती**,** पूर्व प्रोफेसर**,** कलकत्ता विश्वविद्यालय ने बायो-प्लास्टिक पर अपने विचार रखे और **ICAR-CIRCOT,** मुंबई आईसीएआर-सीआईएई**,** भोपाल और आईसीएआर-एनआईएनएफटी**,** कोलकाता के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास से बायो-प्लास्टिक के विकास के लिए मुख्यधारा के रास्ते पर चर्चा की।

Brainstorming Workshop "Bioplastics: Its Developmental Strategies and the Role of Natural Fibres in Developing Durable Biodegradable Polymers for Sustainable Packaging Materials" organized at ICAR-NINFET, Kolkata

November 22, 2022, Kolkata:

A brainstorming workshop on **"Bioplastics: Its Developmental Strategies and the Role of Natural Fibres in Developing Durable Biodegradable Polymers for Sustainable Packaging Materials"** held at ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata on November 22, 2022 through hybrid mode. Dr. D. B. Shakyawar, Director has welcomed all delegates and expressed the need of the workshop to eradicate the consumption of plastics and also presented "Role of natural fibres for the replacement of plastic material to save our environment" with the focus on bio-plastics. Dr. K. Narsaiah, ADG (PE), ICAR & Chief Guest of the program has highlighted the importance of bio-plastics and stressed to initiate a collaborative project for the development of low-cost packaging from rice/ wheat straw and microbial mediated synthesis of bio-plastics from biomass. He has stressed the house to execute the R&D works in the area of recycling and degradation of plastic and addition of suitable nano-particle for improvement in the functional properties of the bio-plastics based packaging materials. Earlier Prof. Vimal Katiyar, Department of Chemical Engineering, IIT Guwahati and Prof. D. Chakraborty, Former Professor, University of Calcutta have deliberated their views on bio-plastics and discussed the main-streaming path-ways for development of bio-plastics from lignocellulosic biomasses with scientists from ICAR-CIRCOT, Mumbai; ICAR-CIAE, Bhopal & ICAR-NINFET, Kolkata.

कार्यशाला की झलकियां/ Glimpses of the Workshop:

ऑनलाइन प्रतिभागी/ On-line participants

आईसीएआर-एनआईएनएफटी के प्रतिभागी/ Participants from ICAR-NINFET